वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 225 | बुधवार 13 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में भजन

भजनलाल शर्मा होंगे राजस्थान के नए मुख्यमंत्री :दीया कुमारी-प्रेमचंद बैरवा डिप्टी सीएम, देवनानी स्पीकर होंगे; 15 दिसंबर को ले सकते हैं शपथ

जयपुर. कासं। राजस्थान के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे। सांगानेर से विधायक भजनलाल शर्मा को मंगलवार को विधायक दल का नेता चुना गया। प्रदेश भाजपा कार्यालय में विधायक दल की बैठक हुई जिसमें भाजपा हाईकमान द्वारा तय शर्मा के नाम का ऐलान किया गया। नए मुख्यमंत्री के लिए भजनलाल के नाम का प्रस्ताव वसुंधरा राजे ने रखा और सभी ने उनके नाम पर सहमति जताई। दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा उप मुख्यमंत्री होंगे। वहीं, अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी विधानसभा स्पीकर होंगे। भजनलाल संघ पृष्ठभूमि से आते हैं। वे मूलतः भरतपुर के रहने वाले हैं। भजनलाल प्रदेश महामंत्री के पद पर भी थे। भाजपा ने तीनों बड़े पद जयपुर को ही दिए हैं। भजनलाल जयपुर की सांगानेर सीट से विधायक हैं, वहीं दीया कुमारी जयपुर की विद्याधर नगर सीट से जीती हैं जबकि बैरवा जयपुर जिले की दूदू सीट से विधायक हैं। विधायक दल की बैठक से पहले राजनाथ सिंह के साथ सभी विधायकों का ग्रुप फोटो सेशन हुआ। इस दौरान वसुंधरा राजे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बिल्कुल बगल में बैठी थीं। वहीं भजनलाल शर्मा आखिरी पंक्ति में खड़े थे। दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा दूसरी पंक्ति में थे, वहीं वासुदेव देवनानी पहली पंक्ति में बैठे हुए थे। राजनाथ सिंह नए मुख्यमंत्री का नाम लेकर आए। बैठक से पहले उन्होंने होटल में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से वन-टु-वन बातचीत की। दोनों के बीच करीब 10 मिनट तक बातचीत चली। इसके बाद सभी नेताओं के बीच भी कुछ देर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक राजनाथ सिंह ने होटल में ही वसुंधरा को बता दिया था कि उन्हें राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है। हालांकि नए सीएम के नाम की जानकारी उन्हें विधायक दल की बैठक से ऐन पहले ही दी गई। भाजपा ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के चयन के जरिए ब्राह्मण, राजपूत और दलित कार्ड खेला है। ब्राह्मण को मुख्यमंत्री और राजपूत को उप मुख्यमंत्री बनाकर सामान्य वर्ग में भी भाजपा ने एक बड़ा मैसेज दिया है।

सरकार बनाने का दावा पेश किया

15 दिसंबर को शपथ ग्रहण

विधायक दल की बैठक के बाद भजनलाल शर्मा सहित सभी भाजपा नेता राजभवन पहुंचे। यहां उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। 15 दिसंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण हो सकता है। 15 दिसंबर को ही भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी है। शपथ से पहले भजनलाल गिरिराज महाराज के दर्शन करने के लिए भरतपुर भी जाएंगे। भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा के सभी नेताओं के साथ मिलकर राजस्थान का सर्वांगीण विकास करेंगे। उनको विधानसभा चुनाव में सांगानेर से विधायक अशोक लाहोटी का टिकट काटकर उतारा गया था।

श्री आदिनाथ बड़े बाबा महामंडल विधान का आयोजन किया गया

राजेश रागी.शाबाश इंडिया

कुंडलपुर। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 चंद्र सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में श्री आदिनाथ बड़े बाबा महामंडल विधान का आयोजन किया गया। विधानाचार्य श्री पंडित महेश जी सतना वालों के निर्देशन में विधान संपन्न हुआ ।कुण्डलपुर कमेटी के प्रचार मंत्री जयकुमार जलज हटा ने बताया कि विधान पुन्यार्जक कैलाश कुमार डॉक्टर एस के जैन राजकुमार अशोक कुमार बाबू शाप परिवार जबलपुर ।इस अवसर पर प्रातः पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक ,शांतिधारा, पूजन, विधान हुआ। प्रथम कलश करने का सौभाग्य महेश चंद्र कमल किशोर मनीष प्रशांत परिवार दिल्ली, आशीष कुमार सोनाली खुशी यश निर्मल कुमार जैन यूनिक एजेंसी सागर को प्राप्त हुआ ।शांतिधारा करने का सौभाग्य सुनील अनुपम अरिहंत ट्रेडर्स जबलपुर शुभम प्रदीप जैन आगरा को प्राप्त हुआ। सायंकाल भक्तांमर दीपअर्चना एवं पूज्य बड़े बाबा की महा आरती की गई।

शीतल तीर्थ रतलाम में जैन पत्रकारों का राष्ट्रीय अधिवेशन 20-21 जनवरी को, तैयारियां शुरू

शीतल तीर्थ,रतलाम. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन धर्म स्थल, शीतल तीर्थ, रतलाम में 12 दिसंबर को प्रातः 9 बजे शीतल तीर्थ अधिष्ठाता डॉक्टर सविता जैन की अध्यक्षता में जैन पत्रकारों का अधिवेशन 20-21 जनवरी को आयोजित अधिवेशन के सम्बन्ध में जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिलीप जैन जयपुर ने चर्चा की एवं तैयारियां शुरू की। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि अधिवेशन में सम्पूर्ण देश से जैन पत्रकार, लेखक, संपादक व संवाददाता,विद्वान शामिल होंगे। सम्पूर्ण क्षेत्र का अवलोकन किया,अधिवेशन स्थल,आवास, भोजन स्थल आदि का चयन किया। डॉ.सविता जैन ने कहा कि यह क्षेत्र परम पूज्य आचार्य श्री योगेन्द्र सागर जी महाराज की प्रेरणा व आशीर्वाद से बना है। 20 फरवरी से 24 फरवरी तक भव्य पंचकल्याणक महामहोत्सव परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में होगा जिसमें देश-विदेश के गुरू भक्त व श्रेष्ठी भाग लेंगे।

श्रीराधा सरल बिहारी मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का चौथा दिन

भक्त के विश्वास को पूर्ण करते हैं प्रभु : मृदुल कृष्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया। टोंक रोड,बीलवा, मानपुर नांगल्या स्थित श्रीराधासरल बिहारी मंदिर में चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ चौथे दिन मंगलवार को भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नंदोत्सव के रूप में मनाया गया। इस मौके पर आयोजक सरला गुप्ता, रजनीश गुप्ता व दिव्या गुप्ता नंद के आनंद भयो,जय कन्हैया लाल की...यषोदा जायो ललनाकृजैसे बधाई गीतों के बीच फल,खिलौने,मेवे व फल की जमकर उछाल लुटाई। इस मौके पर कार्यक्रम स्थल भक्ति और आस्था की त्रिवेणी में डुबा नजर आया। इस अवसर पर परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज जी ने कहा कि भक्त के विश्वास को पूर्ण करते है प्रभु। भक्त के भाव को, अपने इष्ट के प्रति भक्त की आस्था को केवल प्रभु ही समझ सकते हैं,इसीलिए जीव को अपना दुख संसार के सामने नहीं केवल प्रभु के सामने ही प्रकट करना चाहिए। प्रभु पालनहार है, वे शरण में आये भक्त के सारे दुखों को हर लेते है। आचार्य गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज जी ने कहा कि भगवान का परम भक्त प्रहलाद, जिसे कि पिता हिरण्यकशिपु के ने अति भयंकर कष्ट दिए,यहां तक कि श्री प्रहलाद जी को विष पिलाया गया. हाथी से कुचलवाया गया. अग्नि में जलाया गया। तरह-तरह की यातनाएं दी गई,परन्तु श्री प्रहलाद जी हर जगह अपने प्रभु का ही दर्शन करते थे। इसलिए उन्हें कहीं भी किसी भी प्रकार की पीडा का एहसास नहीं हुआ। उन्हें विश्वास था कि हमारे प्रभु सदा-सर्वदा सर्वत्र विराजमान रहते है। तो प्रभु श्रीनृसिंह भगवान भक्त के विश्वास को पूर्ण करते हुए खम्भ से प्रगट होकर यह दिखा दिया कि भक्त की इच्छा एवं विश्वास को पूर्ण करने के लिए वह कहीं भी किसी भी समय प्रगट हो सकते है।

जनसंत उपाध्याय श्री विरंजन सागर का बम्हौरी में मनाया 42वां अवतरण दिवस

दीपाली ने बनाया सूखे रंगो से उपाध्यायश्री का आकर्षक चित्र

रत्नेश जैन. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा- तहसील अंतर्गत ग्राम बम्हौरी में जनसंत उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी महाराज का 42 वां अवतरण दिवस पर जैन धर्मशाला बम्हौरी में विविध कार्यक्रमों के साथ भारी जनसमुदाय की उपस्थिति मे मनाया गया। भारत गौरव बुंदेलखंड के प्रथमाचार्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के परम शिष्य जनसंत उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी महाराज ससंघ पिछले दिन जैन तीर्थ नैनागिरि के पंचकल्याणक महोत्सव के उपरांत ग्राम बम्हौरी में जैन समाज द्वारा आयोजित अवतरण दिवस समारोह में सान्निध्य प्रदान करने हेतु ससंघ पधारे । आज आयोजित इस समारोह में पूज्य गुरुदेव जनसंत उपाध्यायश्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य श्री सचिन कुमार स्वप्निल कुमार कोठिया नेहा नगर सागर को तथा शास्त्र दान का सौभाग्य श्री पं. शिखरचंद्र चंद्रकुमार बम्हौरी, वैद्य परिवार मलगुवां, हुकम चंद्र अनिल कुमार बम्हौरी, सकल दिगम्बर जैन समाज बीला ग्राम को प्राप्त हुआ ।गुरुदेव की पूजन में अनेक ग्रामों से पधारे महानुभावों को अष्ट द्रव्य चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।इस अवसर पर गुरुदेव ने कहा कि इस संसार को पार करने के लिए महाव्रतों को धारण कर निर्वाण प्राप्त होने की भावना है। उन्होंने मंच पर विराजमान गृहस्थ जीवन की मां और संघस्थ विशीला माताजी के उपकार के उदाहरण देते हुए माता पिता की सेवा करने का सभी से आव्हान किया। इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री विसौम्य सागर जी महाराज ने उपाध्याय श्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए महावृत की साधना व रत्नत्रय पाने की भावना व्यक्त की वही अनेक विद्वान पंडित व श्रेष्ठियों ने विनयांजलि प्रस्तुत की। बम्हौरी समाज ने अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिवादन किया। अवतरण दिवस पर ग्राम बम्हौरी की ही निवासी चित्र कलाकार दीपाली सुपुत्री दिनेश कुमार जैन द्वारा पूज्य गुरुदेव जनसंत उपाध्यक्ष श्री विरंजन सागर जी महाराज का सूखी रंगोली से मनोहारी चित्र बना कर सभी को आकर्षित करने पर दीपाली की कला की खुले कंठ से प्रसंसा कर सम्मानित किया गया वहीं उपाध्यायश्री ने सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया। स्मरण रहे कि पूज्य गुरुदेव की गृहस्थ जीवन की माताजी (वर्तमान की जन्मस्थली भी ग्राम बम्हौरी है।

एक कार्यकर्त्ता को सम्मान देना भाजपा की परम्परा: दादरवाल

भजनलाल शर्मा को सीएम बनाने की घोषणा के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं व कस्बे वासियों में खुशी की लहर, एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर व पटाखे फोड़कर किया खुशी का इजहार

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी । उपखंड मुख्यालय नावा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो में राजस्थान के नये सीएम भजन लाल शर्मा को बनाये जाने की घोषणा के साथ ही भाजपा कार्यकर्ता ,पदाधिकारियो व कस्बे वासियों में खुशी की लहर दौड़ गयी ' प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को भाजपा विधायक दल की मीटिंग में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व प्रेमचंद बेरवा और विधानसभा अध्यक्ष वासु देवनानी के नाम का जैसे ही ऐलान हुआ कार्यकर्ताओ व कस्बे वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई कार्यकर्ता व कस्बे वासी एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर व पटाखे फोड़कर खुशी का इजहार करते दिखाई दे रहे थे। खारिया सरपंच देवीलाल दादरवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एकदम से मुख्यमंत्री के पद पर नया नाम घोषित कर सबको चौका दिया मोदी जी का नया फामूर्ला आमजन को बहुत पसंद आ रहा है। लगातार एक चेहरे को चुनने की परम्परा खत्म कर नये चहरे को आगे लाना भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा। एक कार्यकर्ता को सम्मान देना भाजपा की परंपरा है इस बात से ही प्रत्येक कार्यकर्ता अपने आपको गौरवांवित महसूस करता है ' इस अवसर पर गोरुराम कुमावत पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका कुचामन सिटी, पूसाराम कुमावत पंचायत समिति सदस्य, नेमीचंद छापोला, मानाराम राजोरिया, सुरेश दादरवाल, जगदीश छापोला, एडवोकेट राजेंद्र कुमार शर्मा, मुकेश कुमावत, गोपाल कुमावत, हितेश जैन आदि भाजपा कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन जिनालय का भूमि पूजन 15 दिसंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

इंजीनियर्स कॉलोनी, न्यू सांगानेर रोड़, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन जिनालय का भूमि पूजन 15 दिसंबर को होगा। मंदिर कमेटी के कमल छाबड़ा ने बताया कि इंजीनियर्स कॉलोनी, न्यू सांगानेर रोड़, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर में भव्य जिनालय का भूमि पूजन दिनांक 15 दिसंबर वार शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे पंडित धर्मचन्द शास्त्री अष्टापद के द्वारा किया जायेगा। अतः आप सभी से अनुरोध है कि आप उक्त कार्यक्रम में शामिल होकर अतिशय पुण्य अर्जन करें।

माननीय श्री भजनलाल जी शर्मा

को हार्दिक शुभकामनाएं एवम बधाई

माननीय श्री भजनलाल जी शर्मा ने यशस्वी मुख्यमंत्री का पद प्राप्त किया। श्री भजनलाल जी शर्मा को हमारे संपूर्ण जैन समाज ने समर्थन दिया। इनको हमने पूर्ण रूप से दिया था फल स्वरुप सांगानेर में ऐतिहासिक विजय प्राप्त करके और आज राजस्थान के सिरमौर बने आपके उज्जवल भविष्य की ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। आपके सुदृढ़ नेतृत्व में अब राजस्थान और तरक्की करेगा और माननीय मोदी जी का विश्व विजय का सपना पूरा होगा।

जय जय राजस्थान

शुभेच्छु

निर्मल जैन सोगानी

वेद ज्ञान

संसार क्षणभंगुर है

यह संसार क्षणभंगुर है। संपूर्ण सृष्टि परिवर्तन और विनाश के मूलाधार पर टिकी है। इस तथ्य पर यकीन करने के लिए हमें किसी मत-मतांतर या साक्ष्यों की कोई आवश्यकता नहीं है। इसका कारण यह कि हम नित्य जन्म-मृत्यु के साथ-साथ बच्चे को युवा और युवावस्था को वृद्धावस्था में परिवर्तित होते देखते हैं। फिर भी हम संसार की क्षणभंगुरता का अहसास किए बगैर जन्म पर खुशी, वृद्धावस्था पर क्षुब्धता व मृत्यु पर शोक मनाए चले जाते हैं। हमें इस कटु यथार्थ का बोध भी नहीं होता कि प्रकृति द्वारा युग-युगांतरों से खेला जा रहा परिवर्तन व विनाश का खेल लगातार चलता रहता है। राम हों या कृष्ण, जीसस हों या बुद्ध व महावीर, सबको एक अवधि के बाद शरीर छोड़ना पड़ा। इस संदर्भ में प्रश्न यह उठता है कि इस नश्वर संसार का सृजनकर्ता कौन है, जो इस सृष्टि के विराट आयोजन को संचालित कर रहा है? फिलहाल आदि काल से लगातार फैल रहे इस अनंत ब्रह्मांड और संपूर्ण सृष्टि को संचालित करने वाला कोई नश्वर तत्व तो हो नहीं सकता। हां, नश्वर में निहित ज्ञान स्वरूप परब्रह्म ही माला के मनकों को संभालने वाले धागे की तरह सक्रिय हो सकता है। इस पूरी सृष्टि में सृष्टा ही समाया हुआ है। समस्त जड़-चेतन में उसी का वास है। जिस प्रकार गतिमान पहिया अपरिवर्तनशील कील पर ठहरा हुआ होता है, उसी प्रकार सारे परिवर्तन मृण्मय (सृष्टि के समस्त जड़ चेतन) रूपी परिधि पर होते हैं, जबकि भीतर मौजूद चिन्मय (ज्ञान स्वरूप परब्रह्म) सदा स्थिर रहता है। जिस प्रकार हम ईंट-पत्थरों से मकान (दीवारें) बनवाते हैं, किंतु हम दीवारों में नहीं रहते, बल्कि भीतर स्थित शून्य (रिक्त स्थान) में रहते हैं। यही नहीं, हमारा प्रवेश भी शून्य रूपी दरवाजे से होता है। इसी प्रकार हमारी हृदय गुफा में मौजूद अंतराकाश में आत्मा सतत विराजमान है। चूंकि हमने उसे कभी क्षणभर के लिए भी नहीं खोया है, इसलिए उसकी प्रतीति नहीं होती है। जैसे अपना बिंब देखने के लिए आईने से फासले की जरूरत होती है। परमात्मा को हमें अन्यत्र खोजना है, यह धारणा ही भ्रांत है। परमात्मा हम सब के भीतर मौजूद है और हमें केवल बाहर जाती चेतना की दिशा परिवर्तित करके उसका रुख भीतर की ओर करना होगा, तभी हमें परमात्म तत्व की प्राप्ति हो सकेगी।

संपादकीय

कानून के बजाय नैतिक मूल्यों पर जोर देने से सुप्रीम कोर्ट को आपत्ति

अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे किसी मामले पर सुनवाई करते और फैसला सुनाते वक्त केवल उसके कानूनी पक्षों पर गौर करें। किसी प्रकार के भावनात्मक या राजनीतिक दबाव में न आएं और न अपनी बद्ध धारणाओं के आधार पर कोई नैतिक स्थापना करने का प्रयास करें। मगर कई बार अदालतें इस तकाजे को भूल जाती हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ से भी यही चूक हुई। यौन शोषण के एक मामले में फैसला सुनाते हुए भावनात्मक दबाव में उन्होंने कानून के बजाय नैतिक मूल्यों को सर्वोपरि मान लिया। मामला एक लड़की के यौन उत्पीड़न का था। उसमें न्यायालय ने आपसी रजामंदी से संबंध बनाने का मामला माना और लड़के को पाक्सो अधिनियम के तहत सजा से बरी कर दिया। इसके साथ ही लड़की को नसीहत दी कि लड़कियों को शारीरिक इच्छाओं पर काबू पाने का प्रयास करना चाहिए। लड़के को सीख दी कि उसे लड़कियों की गरिमा का सम्मान करना सीखना चाहिए। इस फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान ले लिया और कहा कि अदालत का काम उपदेश देना नहीं होता। इस फैसले से संविधान के अनुच्छेद इक्कीस के तहत नागरिकों को मिले मूल अधिकारों का हनन होता है। ऐसी टिप्पणी न केवल आपत्तिजनक, बल्कि अनावश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा है कि क्या वह उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील करना चाहेगी। जाहिर है, इस मामले में नए सिरे से सुनवाई होगी। इस प्रकरण से एक बार फिर अदालतों के पूर्वाग्रह ग्रस्त होकर काम करने को लेकर सवाल गाढ़ा हुआ है। इसके कुछ महीने पहले ही सर्वोच्च न्यायालय ने गुजरात उच्च न्यायालय की तरफ से आए कुछ फैसलों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि हैरानी है कि गुजरात की अदालतों से ऐसे फैसले क्यों आ रहे हैं। उच्च न्यायालयों के संवेदनशील फैसलों पर अक्सर सर्वोच्च न्यायालय नजर रखते हुए उन्हें दिशा-निर्देश देता रहता है। मगर छोटी अदालतों से जब-तब पक्षपातपूर्ण फैसलों की शिकायतें आती रहती हैं। हालांकि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश प्रायः मामलों पर गंभीरता से सुनवाई करते देखे जाते हैं, पर उनके फैसलों पर भी पक्षपात संबंधी शिकायतों की कमी नहीं है। अक्सर सत्तापक्ष या रसूखदार लोगों के पक्ष में आने वाले फैसलों को लेकर उन पर अंगुलियां उठती रहती हैं। स्वाभाविक ही इससे न्यायपालिका की प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले पर कड़ा रुख दिखाया है, तो इससे दूसरी अदालतों को भी सबक मिलेगा। पिछले कुछ समय से न्यायिक सक्रियता को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं, खासकर सत्ता पक्ष की ओर से। अनेक मामलों में देखा गया है कि अदालतें सुनवाई के दौरान कुछ ऐसी मौखिक टिप्पणियां करती हैं, जो मीडिया की सुर्खियां बन जाती हैं। हालांकि उन टिप्पणियों का अंतिम फैसले में कहीं कोई उल्लेख नहीं होता। जबकि अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी राय या अवलोकन टिप्पणी के रूप में दर्ज करें। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

चुनौतियां

शायद ही कोई दिन गुजरता है, जब हम अखबारों में आत्महत्या की खबरें नहीं पढ़ते। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि 2022 में खुदकुशी के 1.7 लाख से अधिक मामले सामने आए, जो साल 2021 से 4.2 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक तंगी, पारिवारिक समस्या और बीमारी इंसान के इस तरह टूट जाने के तीन प्रमुख कारण हैं, मगर नशे व शराब की लत, शादी से जुड़े झगड़े, गरीबी और कर्ज भी बढ़ती आत्महत्या की वजहें हैं। इस साल की शुरूआत से राजस्थान के कोटा शहर में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा आत्महत्या की दुख भरी खबरें तो आती ही रहीं, अभी चंद दिनों पहले आंध्र प्रदेश के एक परिवार का काशी आकर खुदकुशी करना भी चिंतनीय तस्वीर पेश करता है। साफ है, आत्महत्या की खबरें सामाजिक और शिक्षा तंत्र की विफलता का संकेत हैं। खुदकुशी को समय रहते 'इंटरवेंशंस' यानी जरूरी प्रयास करके रोका जा सकता है। भारत करीब एक-तिहाई खुदकुशी किसानों, खेतिहर मजदूरों और दिहाड़ी मजदूरों ने की है। यह आंकड़ा कृषि क्षेत्र की चुनौतियों को रेखांकित करता है और सरकारों को सभी स्तरों पर इनसे जुड़े मुद्दों को समझने और उन पर काम करने की जरूरत बताता है। फिर, पुराना संयुक्त परिवार भी टूटता जा रहा है। ऐसे में, लोगों के पास मुश्किल वक्त के लिए कोई ह्यसपोर्ट सिस्टमह्न नहीं है। कुछ यही हाल शिक्षा क्षेत्र का है, जिसका तेजी से बाजारीकरण हुआ है। इसमें शिक्षण संस्थानों को ऐसी मशीन के रूप में देखा जाता है, जिसमें बच्चे को दाखिल करने के बाद यह उम्मीद की जाती है कि वह डॉक्टर या इंजीनियर बनकर ही वहां से निकलेगा। किशोरों में आत्महत्या 15 से 29 साल के आयु वर्ग में हो रही है और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, औसतन हर घंटे एक छात्र खुदकुशी करता है। स्पष्ट है, पढ़ाई का दबाव भी एक बड़ी वजह है। आज का समय प्रतिस्पद्धों का है। यह एक ऐसी दौड़ है, जिसे हर व्यक्ति हर कीमत पर जीतना चाहता है। मगर यह कीमत चुकाई जाती है, अत्यधिक मानसिक तनाव, अनिद्रा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के रूप में। तनाव मधुमेह से लेकर ब्लड प्रेशर और दिल की गंभीर बीमारियों तक को जन्म दे सकता है। वैसे भी, भारत में हर आठ में से एक व्यक्ति को कोई न कोई (हल्की- फुल्की ही सही) मानसिक समस्या होती है, ऐसा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 में पाया गया था। कोविड महामारी के बाद तो यह चुनौती और बढ़ती नजर आ रही है। हमारे देश में किसी भी आयु वर्ग के लिए पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। फिर, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई भ्रांतियां भी हैं, जो लोगों को खुलकर सामने नहीं आने देतीं। आत्महत्या के बढ़ते मामले मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमजोरी और अनुपलब्धता को रेखांकित करते हैं। हालांकि, भारत में वर्ष 2014 में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति जारी की गई थी, और उसके बाद कुछ कदम भी उठाए गए हैं। जैसे, सरकारी और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन चलाई जाती है, पर इनके विस्तार की जरूरत है। केंद्र और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य नीति निमार्ताओं को स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ मिलकर आत्महत्या के कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। जिन राज्यों और जिलों में आत्महत्या के अधिक मामले सामने आ रहे हैं, वहां पर विशेष कदम उठाने की जरूरत है। किसानों और कामगारों के मानसिक स्वास्थ्य व उनकी चुनौतियों को नीतिगत कदमों से दूर करना होगा। हर व्यक्ति को तनाव कम करने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर कदम उठाने चाहिए। हालांकि, सबसे बड़ी जरूरत एक ऐसा सामाजिक ताना-बाना बुनने की है, जिसमें हर व्यक्ति दूसरे की मानसिक चुनौती को समझे।

शेमारू टीवी पर 'कर्माधिकारी शनिदेव' – न्याय के देवता की एक असाधारण कथा!

जयपुर. शाबाश इंडिया

ब्रह्मांड में अच्छाई और बुराई का संतुलन केवल तभी बनाए रखा जा सकता है जब कर्म के देवता शनिदेव लोगों का उनके कर्मों के अनुसार न्याय निर्धारित करें। इस चक्रव्यू को दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए शेमारू टीवी जल्द लेकर आ रहा है अपना नया पौराणिक शो 'कर्माधिकारी शनिदेव'। भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव इन त्रिमूर्तियों से आशीर्वादित, सूर्यदेव और छाया के पुत्र सुनिए शनिदेव से जुड़ी यह कहानी बताएगी की कैसे वे देवता और असुर के बीच की दुनिया के एक नाजुक संतुलन को बनाए रखते हुए न्याय के रक्षक बने। भारतीय पौराणिक कथाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा होने और भक्तों में से उनका भय निकालने के लिए, इस 11 दिसंबर से शनिदेव की अनसुनी गाथा, हर सोमवार से शनिवार, रात 8:30 बजे, सिर्फ शेमारू टीवी पर शुरू हो चुकी है। ट्रायंगल फिल्म कंपनी के बैनर तले निर्मित, 'कर्माधिकारी शनिदेव' शो शनिदेव के जीवन की अनकही कहानियों को उजागर करने का वादा करता है, जिसमें रामायण, भगवान विष्णु के विभिन्न अवतार, समुंद्र मंथन, पिप्लाद कथा, दशरथ और राजा हरिश्चंद्र जैसे महाकाव्यों के विभिन्न कथा सूत्र शामिल हैं। इन शो में शामिल अनुभवी कलाकारों की टुकड़ी में शनिदेव क किरदार के रूप में विनीत कुमार चौधरी, सूर्य देव (शनिदेव के पिता) के रूप में संदीप मोहन, संज्ञा और छाया (शनिदेव की मां) की भूमिका में सुहासी धामी, दामिनी (शनिदेव की पत्नी) के रूप में अपर्णा दीक्षित, हनुमान के रूप में दानिश अख्तर, देवी लक्ष्मी के रूप में देबलीना चटर्जी को शामिल किया गया है। शो में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता विनीत कुमार चौधरी ने कहा, मैं पहली बार एक पौराणिक शो निभाने जा रहा हूं और मैं स्क्रीन पर यह किरदार निभाने को लेकर खुदको भाग्यशाली मानता हूं। शनिदेव हमारा मार्गदर्शन करने और एक कम्पास के रूप में याद दिलाने का कार्य करते हैं कि 'जैसा बोओगे, वैसा काटोगे'।

गुलाबीनगर ग्रुप का गेट टू गेदर का आयोजन

श्रीमती सुशीला बड़जात्या सत्र 2024-25 के लिए अध्यक्ष मनोनित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर का वर्ष 2023 का अंतिम गेट टू गेदर कार्यक्रम अर्हम रेस्टोरेंट अजमेर रोड पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक महावीर मुन्नादेवी पांड्या व सुशीला विनोद बड़जात्या ने बहुत शानदार मोबाइल प्लेइंग कार्ड गेम व हाऊजी खिलाई। माह नवंबर व दिसम्बर में जिन सदस्यों की वैवाहिक वर्षगाँठ थी उन्हें माला पहनाकर मंगल गीत गाकर बधाइयां दी। आज के कार्यक्रम में वर्ष 2024-25 के लिये नई कार्यकारिणी के अध्यक्ष पद के लिये सुरेन्द्र पांड्या संरक्षक ने सभी सदस्यों से स्वेच्छा से आगे आने के लिये कहा। श्रीमती चित्रा जैन ने महिला सशक्तिकरण के लिए महिला का नाम के लिये कहा तथा श्रीमती सुशीला बड़जात्या का नाम का प्रस्ताव रखा जिसका सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। सुरेन्द्र पांड्या सरंक्षक , निवर्तमान अध्यक्ष महेन्द्र पाटोदी, एवम पूर्व अध्यक्ष पदम भावसा ने सदस्यों की सर्वसम्मति पर श्रीमती सुशीला बड़जात्या का नाम अध्यक्ष पद पर वर्ष 2024-25 के लिये घोषित किया। सभी सदस्यों ने श्रीमती सुशीला बड़जात्या को माला पहनाकर बधाइयाँ एवं शुभकामनाएं दी। ग्रुप में शांतिलाल जैन, विजय जैन सुशीला जैन अजमेरा, कर्नल महावीर जैन श्रीमती रजनी जैन, सतेन्द्र ममता काला नये सदस्य आज के कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। सुनील बज अध्यक्ष व विनोद बड़जात्या सचिव ने कार्यकाल वर्ष 2019 से 2023 तक ग्रुप के सभी कार्यक्रम में सभी प्रकार का सहयोग देने के लिये सदस्यों को धन्यवाद व आभार प्रकट किया। नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण तक वर्तमान कार्यकारिणी कार्य करती रहेगी। आज के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालन किया जिसके लिये सभी सदस्यों ने संयोजकों को धन्यवाद दिया। निर्मल सेठी कोषाध्यक्ष ने सभी दम्पति सदस्यों का आज के कार्यक्रम में आने पर आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया।

गरीब देशों में बढ़ रही है बुजुर्गों की संख्या

विजय गर्ग

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र की टीम ने संयुक्त राष्ट्र की 'डिकेड आफ हेल्दी एजिंग 2021- 2030' रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में 136 देशों पर किए गए सर्वेक्षण का परिणाम भी शामिल है, जो बताता है कि 83 फीसद देशों में उम्र के आधार पर भेदभाव को लेकर राष्ट्रीय कानून बन चुके हैं, जबकि 2020 में 60 फीसद देशों में ऐसा कानून था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के कारण 80 फीसद से अधिक मौतें उन लोगों की हुई जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक थी। इस प्रगति के बावजूद अभी आगे के प्रयासों की और जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बुजुर्गों को बेहतर जीवन देने के लिए उम्र और बुढ़ापे के बारे में लोगों के सोचने, महसूस करने और कार्य करने के तरीके को बदलना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि समुदाय वृद्ध लोगों की क्षमताओं को बढ़ावा दें, वृद्ध लोगों के प्रति उत्तरदायी बने । प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाए और जरूरतमंद वृद्ध लोगों को लंबी अवधि तक देखभाल तक पहुंच प्रदान की जाए। एक क्षेत्र जहां अधिक सुधार की आवश्यकता है, वह है उम्र बढ़ने और स्वास्थ्य पर एक राष्ट्रीय बहु-हितधारक मंच या समिति बनाई जाए। इस क्षेत्र में 67 से 74 फीसद तक केवल सात फीसद की वृद्धि देखी गई है। चिंता की बात यह है कि स्वस्थ तरीके से उम्र बढ़ने का समर्थन करने के लिए नीतियों, कानून, कार्यक्रमों और सेवाओं वाले देशों का अनुपात निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कम है। फिर भी दुनिया भर में 2050 तक 80 फीसद वृद्ध लोग इन्हीं देशों में रहेंगे। यह सुनिश्चित करने में भी चुनौतियां बनी हुई हैं कि वृद्ध लोग दशक की कार्रवाई के केंद्र में हों, स्वस्थ तरीके से उम्र बढ़ने वाले देशों के मंच में, तीन में से एक में वृद्ध लोग शामिल नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि, महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को लेकर दुनिया भर में आठ लाख से अधिक प्रतिक्रियाएं एकत्र की गई हैं, जिनमें से 15 फीसद 55 से अधिक उम्र की महिलाओं से हैं और आठ फीसद 65 से अधिक उम्र की महिलाओं के हैं। इन देशों में बुर्किना फासो, कंबोडिया, मिस्र, इथियोपिया, घाना, भारत, केन्या, मैक्सिको, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, सेनेगल सर्बिया और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। रिपोर्ट के हवाले से, डब्लूएचओ के महानिदेशक डाक्टर टेड्रोस एडनोम घेबियस ने कहा कि, हमें और अधिक राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्वस्थ तरीके से उम्र बढ़ने में सहायता के लिए हमें अधिक निवेश की आवश्यकता है। हमें अधिक, बेहतर प्रशिक्षित और समर्थित स्वास्थ्य और देखभाल कार्यकताओं की जरूरत है। हमें उन निर्णयों में वृद्ध लोगों की अधिक सार्थक भागीदारी की आवश्यकता है जो उनके लिए मायने रखते हैं। उन्होंने कहा कि डब्लूएचओ आंकड़ों के संग्रह और विश्लेषण, निगरानी और मूल्यांकन में राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण करने, एकीकृत और लंबे समय तक देखभाल करने के लिए स्वास्थ्य और देखभाल कार्यकताओं को प्रशिक्षण देने, उम्र के अनुकूल शहरों और समुदायों का निर्माण करने और उम्रवाद का मुकाबला करने के लिए भागीदारों के साथ काम करना जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि अगली प्रगति रिपोर्ट 2026 में जारी की जाएगी तथा अंतिम प्रभाव रिपोर्ट 2029 में जारी की जाएगी।

विजय गर्ग: सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज ससंघ का छीपीटोला जैन मंदिर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

11 दिसम्बर को आगरा के छीपीटोला स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा पंचायती मंदिर में निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। मुनिसंघ की अगवानी को छीपीटोला जैन समाज बड़ी संख्या में उमड़ा पड़ा। निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार दोपहर 3:00 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ओल्ड ईदगाह कॉलोनी से नामनेर चौराहा,साई की ताकिया, छीपीटोला चौराहा होते हुए भव्य शोभायात्रा के साथ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर छीपीटोला पहुंचें। जहाँ भक्तों ने बड़ी संख्या में मुनिसंघ का पाद प्रक्षालन कर अगवानी की। मुनिसंघ के मंदिर पहुंचने पर भगवान पारसनाथ के दर्शन किऐ इसके बाद मुनिसंघ का मंगल विहार यहां से निर्मल सेवा सदन के लिए हुआ। जहां महिला मंडल ने मुनिश्री की अगवानी की मुनिश्री की अगवानी को लेकर पूरा छीपीटोला रोड़ को बहुत सुंदर रंगोली से सजाया गया। साथ ही मुनिसंघ के मंगल प्रवेश शोभायात्रा में महिलाएं अपने सिर पर मंगल कलश लेकर एवं डांडिया करते हुए चल रही थी। मुनिसंघ का जगह-जगह भक्तों ने पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद मुनिश्री का जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम पर सायः5:30 से 6:30 बजे तक निर्मल सेवा सदन परिसर में आयोजित हुआ। जिज्ञासा समाधान का संचालन सत्येंद्र जैन साहू द्वारा किया गया। छीपीटोला सकल जैन समाज के महिलाएं,पुरुष एवं बालक बालिकाएं मुनिसंघ की अगवानी को अति उत्सुक नजर आया। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के मंगल प्रवचन दिनांक 12 दिसंबर से 15 दिसंबर तक पारसधाम छीपीटोला पर सुबहः 8:30 बजे से 10:00 तक होंगे एवं जिज्ञासा समाधान शामः5:30 बजे से 6:30 तक आयोजित होगा। इस अवसर पर समस्त छीपीटोला सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्टः
शुभम जैन

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से....

माता, पिता और गुरु जन जीवन जीने की दिशा बताते हैं.. चलना तो स्वयं को ही पड़ता है..!

शाबाश इंडिया। प्रत्येक माता-पिता अपने पुत्र को वृक्ष के फल की तरह देखते हैं। उसके फल समाज और देश को सुख देगी। पक्षियों को रहने का आश्रय देगी। अपनी वाणी, व्यवहार और चरित्र से समाज और देश को सुवासित करेगी। अच्छी शिक्षा, अच्छे संस्कार और परोपकार से समाज और देश में विकास की भूमिका निभायेगी। यह सब माता पिता के ऋण से उऋण होने के मार्ग है। इस मार्ग में देना ही देना है, लेना कुछ भी नहीं है क्योंकि वृक्ष ना खावे अपना फल, नदिया ना पीवे अपना जल लेकिन दुर्भाग्य कहो इस सदी का-आज की शिक्षा ने तीन चीजें बच्चों से छीन ली - माता-पिता, धर्म गुरु और संस्कार। चूंकि माता-पिता के पास भी अपनी सन्तान के अच्छे संस्कारों के लिये समय नहीं है। सन्तान के लिये धन-दौलत, शिक्षा से ज्यादा मूल्यवान अच्छे संस्कार है। क्योंकि अच्छे संस्कार ही समाज और देश का सृजन करेंगे। आज माता-पिता के पास, बच्चों के साथ बैठने के लिए, उनसे बात करने के लिये, आधे-एक घन्टे का भी समय नहीं है। हमने सन्तान को कमाना सिखाया, धन के आगे सब कुछ छोटा है यह बताया। हमने दूसरों से लेना तो सिखाया लेकिन लौटाना नहीं सिखाया। मानव जाति के प्रति संवेदनशील और जीना नहीं सिखाया। यह सब इसलिए हो रहा है कि हमने सन्तान की ऊंगली पकड़कर चलना छोड़ दिया है। हम भी उनके साथ बंधने को तैयार नहीं है। जो माता-पिता अपनी सन्तान के प्रति चिन्तित नहीं है, वह समाज और देश के प्रति क्या चिन्तित होंगे? आज की नई जनरेशन अपने लिये ही जी रही है और माता-पिता, धर्म गुरुओं के नेटवर्क से बाहर जा रही है...। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

जयपुर व्यापार महासंघ ने दी मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री को बधाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने राजस्थान के निर्वाचित मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व उप मुख्यमंत्री दूदू विधायक प्रेम कुमार बैरवा को व्यापार व उद्योग जगत की तरफ से बधाई दी है। जयपुर ज़िले के लिए विकास के नए आयाम का मार्ग प्रशस्त होगा।

ठिठुरते जरुरतमंद को कम्बल ओढ़ाए

जयपुर. शाबाश इंडिया। ''कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट'' दीन-दुखियों लाचार व जरूरतमंदों की सेवा के लिए ने सदा तत्पर रहा है। फिर चाहे वो शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा दिलाना हो, भोजन से वंचित जरूरतमंदों को भोजन पहुंचाना हो, गर्मी के दिनों में चप्पल पहनाना हो या फिर सर्दियों में ठिठुरते लोगों को कम्बल ओढ़ाना हो। इसी क्रम में कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने दान दाताओं के सहयोग से आज अमावस्या मंगलवार 12 दिसम्बर 2023 को 355 कम्बलओं वितरण किया। जयपुर के सरकारी अस्पतालों में जैसे ट्रोमा अस्ति रोग संस्थान, बांगड़ अस्पताल, महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट, जे के लोन अस्पताल एवं जयपुरीया आदि अस्पतालों में इस मौके पर संस्था के कार्यकर्ता जुगल किशोर चौधरी , रीषभ जैन , निहाल सिंह दानदाता डी. के. गुप्ता और भी कई दानदाता मौजूद रहे। ये पुण्य कार्य हर बर्ष सर्दियों में किया जाता है.. ! संक्रांति तक इसी तरह कम्बलओं का वितरण किया जाता रहेगा।

तपोस्थली बोलखेड़ा पर 17 दिसम्बर को आचार्य वसुनंदी महाराज द्वारा होगी जैनेश्वरी दीक्षा

बोलखेड़ा. शाबाश इंडिया

अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बूस्वामी की तपोस्थली बोलखेड़ा पर दिगम्बर जैनाचार्य वसुनंदी महाराज द्वारा रविवार 17 दिसम्बर को नव दीक्षार्थी ब्रह्मचारिणी मनु दीदी को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी तो वही तपोस्थली समिति द्वारा दीक्षा समारोह का आयोजन किया जाएगा। तपोस्थली के अध्यक्ष रमेश चंद जैन गर्ग ने बताया कि तपोस्थली बोलखेड़ा के इतिहास में एक और अध्याय दीक्षा के रूप में रविवार को जुड़ने जा रहा है जहां मुरैना की मनु दीदी को जैनेश्वरी दीक्षा आचार्य वसुनंदी महाराज द्वारा प्रदान की जाएगी। तपोस्थली के प्रचार प्रभारी संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि श्रीमती मनु जैन का जन्म राजस्थान के अजमेर जिले में जैन परिवार में हुआ उनका विवाह मुरैना मध्यप्रदेश निवासी नत्थीलाल सुमति चंद जैन घी वाले के परिवार में पवन जैन के साथ हुआ था आप प्रारंभ में ही धार्मिक प्रवृत्ति, साधु संतों की आहारचर्या,संगति एवं धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि रखने वाली थी। जैसे ही गुरु सामीप्य प्राप्त हुआ तो आपके वैराग्य की भावना प्रबल होने लगी। आपने गृह त्याग कर आचार्य वसुनंदी महाराज से ब्रह्मचर्य व्रत अंगीकार कर अपने कदम संसार त्याग कर वैराग्य की ओर बढ़ा दिए। महामन्त्री अरुण जैन बंटी के अनुसार तपोभूमि की अदभुत शक्तियां वैराग्य की ओर ले जाने में सहायक है पूर्व में भी कई दीक्षाएं तपोस्थली पर हो चुकी है कार्यक्रम में जैन श्रावक-श्राविकाओं के बड़ी संख्या में भाग लेने की संभावना है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com